B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2009/01

Ayurved Ka Itihas

[Old Scheme -w.e.f. admission prior to 2007]

M.M. : 90 Time : 3 Hours

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. बौद्ध साहित्य में प्राप्त आयुर्वेद के विषयों का वर्णन करें। 15

2. काश्यप संहिता का विस्तृत वर्णन करें। 15

3. चरक संहिता के तीन संस्कृत टीकाकारों का वर्णन करें। 15

4. रसशास्त्र के उद्‌भव व विकास पर एक लेख लिखें। 15

5. **टिप्पणी लिखें।** 5 + 5 + 5 = 15

   क) वृन्द

   ख) निमि

   ग) विजय रक्षित

6. **टिप्पणी लिखें।** 5 + 5 + 5 = 15

   क) वैद्य प्रियव्रत शर्मा

   ख) घाणेकर

   ग) यादवजी, त्रिक्रम जी

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2009/01

Sanskrit - A

[**Old Scheme** -w.e.f. admission prior to 2007]

M.M. : 90 Time : 3 Hours

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. **सप्रसंग व्याख्या कीजिए।** 4 X 5 = 20

   क) अर्थागमो नित्यमरोगिता चं प्रिया च भार्या प्रियवादिनी च।
   वश्यश्च पुत्रोऽर्थकरी च विद्या षड्जीवलोकस्य सुखानि राजन्।।

   ख) शरीरायासजनकं कर्म व्यायामसंज्ञितम्।।

   ग) प्राणायामेन युक्तेन सर्वरोगक्षयो भवेत्।
   अयुक्ताभ्यासयोगेन सर्वरोगस्य संभवः।।

   घ) अद्भिर्गात्राणि शुद्ध्यन्ति मनः सत्येन शुद्ध्यति।
   विद्यातपोभ्यां भूतात्मा बुद्धिर्ज्ञानेन शुद्ध्यति।।

2. क) जलविज्ञानीय अध्याय का महत्व बतलाइए । 10

   ख) **अर्थ स्पष्ट कीजिए** । 5
   विकारः, समाग्निः, निदानं, प्रतिसंस्कारः, शौचः ।

3. **प्रसंग पूर्वक अर्थ लिखिए।** 3 X 4 = 12

   क) तस्मिन् हिरण्यये कोशे त्र्यरे त्रिप्रतिष्ठिते।
   तस्मिन् यद् यक्षमात्मन्वत् तद्वै ब्रह्मविदो विदुः ।।

   ख) नगरी नगरस्येव रथस्येव रथी यथा,
   स्वशरीरस्य मेधावी कृत्येष्ववहितो भवेत् ।।

   ग) स्पर्शेकाहारशय्यादिसेवनात् प्रायशो गदाः।
   सर्वे संचारिणो नेत्रत्वग्विकारा विशेषतः।।

4. बाजीकरण एवं रसायन का भेद वर्णन कर रसायन का लक्षण प्रतिपादित कीजिए? 8

5. **प्रसंग सहित अर्थ लिखिए।** 4X5=20

   क) जयन्ति ते जिना येषां केवलज्ञानशालिनाम्।
   आजन्मनः स्मरोत्पत्तौ मानसेनोषरायितम् ।।

   ख) अपरीक्ष्य न कर्तव्यं कर्तव्यं सुपरीक्षितम् ।
   पश्चादभवति सन्तापो ब्राह्मण्या नकुलार्थतः ।।

   ग) मन्त्रे तीर्थे द्विजे देवे दैवज्ञे भेषजे गुरौ।
   यादृशी भावना यस्य सिद्धिर्भवति तादृशी।।

   घ) यदि स्याच्छीतलो वह्निश्चन्द्रमा दहनात्मकः।
   सुस्वादः सागरः स्त्रीणां तत्सतीत्वं प्रजायते।।

6. यस्य नास्ति स्वयं प्रज्ञा मित्रोक्तं न करोति यः। 15
   स एव निधनं याति यथा मन्थरकौलिकः।।
   श्लोक से सम्बन्धित कथा विस्तार पूर्वक लिखिए।

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2009/01

Sanskrit - B

[**Old Scheme** -w.e.f. admission prior to 2007]

M.M. : 90 Time : 3 Hours

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सवर्ण संज्ञा सूत्र को सोदाहरण स्पष्ट करें। 6

2. क) **सन्धि करें।** 5
हरिः + शेते, लक्ष्मी + ईशः, जल + औघः, सः + अपि, जगत् + नाथः ।

ख) **सन्धि विच्छेद करें ।** 5
पित्रादेशः, पावनः, सम्राटः, निश्चलः, मध्वरिः ।

3. **विग्रहकर समास का नाम लिखें ।** 6
अनुविष्णु, हरिहरौ, प्राचार्यः, कृष्णाश्रितः, अब्राह्मणः, चित्रगुः ।

4. क) **उचित विभक्ति लगाकर उपपदों को वाक्यों में प्रयुक्त करें ।** 8
सह, बहिः, तुल्यः, स्वाहा, याचते, परितः, बिभेति, प्रति ।

ख) **स्त्री प्रत्यान्त रूप लिखें।** 5
पाचक, चटक, बाल, श्रीमत्, तरुण ।

5. क) **निम्न धातुओं से निर्दिष्ट प्रत्यय लगाए।** 5
हस् + क्तः, गम् + क्त्वा, दा + शतृ, पा + क्तवत्, पच् + अनीय ।

ख) **प्रकृति प्रत्यय अलग करें।** 5
करणीयः, दातुम्, पठित्वा, नत्वा, गतः ।

6. क) **निम्न शब्दों के सभी विभक्तियों में रूप लिखें।** 10
युष्मद्, युवन्, नदी, किम् (स्त्री) ।

ख) **संख्यावाची शब्दों की संस्कृत बनाएं।** 2
तीन, आठ, बारह, पांच ।

7. **यथानिर्दिष्ट धातुरूप लिखें ।** 10
गम् (लट्), कठ्(विधिलिंङ्), हस्(लोट), दा(लृट) ।

8. **संस्कृत में अनुवाद करें।** 15

क) वे सत्य बोलते हैं ।

ख) चोर चोरी करके भाग गया ।

ग) तुम सब घूमने कहाँ जाओगे ।

घ) मुझे फल अच्छे लगते हैं ।

ङ) रमा गाय को लाती है ।

च) धर्म से हीन व्यक्ति शोभा नहीं देता ।

छ) कुछ लोग ईश्वर को नहीं मानते ।

ज) गुरू छात्रों को विद्या देता है ।

झ) उसने खाना खाया ।

ञ) गंगा का जल पवित्र होता है ।

९. **अशुद्धि संशोधन करें।** 8

क) ग्रामस्य अभित: वृक्षा सन्ति ।

ख) आवाम् पठथ: ।

ग) अहं निर्धनं धनं ददामि ।

घ) अलं रोदनात् ।

ङ) ते विद्यालयं गच्छति ।

च) स: चौरस्य बिभेति ।

छ) वासुदेव: नम: ।

ज) मया न लिखामि ।

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2009/01

Rachna Sharir-A

[**Old Scheme** -w.e.f. admission prior to 2007]

M.M. : 90 Time : 3 Hours

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. मृत शोधन एवं संरक्षण की प्राचीन एवं अर्वाचीन विधियों का वर्णन करें। 15

2. गर्भ की परिभाषा लिखते हुए तंत्रिका संस्थान (Nervous System) के विकास की व्याख्या करें। 15

3. **संक्षेप में वर्णन करें।** 5 + 5 + 5 = 15
   क) प्रगण्डास्थि (Humerus)
   ख) सूक्ष्म शरीर
   ग) अंगुली प्रमाण 15

4. संधियों के प्रकारों की व्याख्या करते हुए जानु संधि (Knee-Joint) का वर्णन करें। 15

5. सिरा, धमनी, स्त्रोतस की व्याख्या करते हुए उर्वी धमनी (Femoral Artery) का वर्णन करें। 15

6. **संक्षेप में लिखें।** 5 + 5 + 5 = 15
   क) पेशी (Muscle)
   ख) लसिका
   ग) जाल

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2009/01

Rachna Sharir-B

[**Old Scheme** -w.e.f. admission prior to 2007]

M.M. : 90 Time : 3 Hours

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. मूत्रवह संस्थान का सचित्र वर्णन करें। 15

2. "अन्तः स्त्रावी" ग्रन्थियों की व्याख्या कर उपावटु ग्रन्थि (Para Thyroid Gland) का सचित्र वर्णन करें। 15

3. आयुर्वेदीय मतानुसार कला का वर्णन करते हुए फुफ्फुसधरा कला (Pleura) का वर्णन करें। 15

4. षट्चक्रों का सचित्र वर्णन करें। 15

5. इन्द्रिय शब्द की व्याख्या कर दर्शनेन्द्रिय (Eye) का सचित्र वर्णन करें। 15

6. मर्म शब्द की व्याख्या, संख्या, भेद बताते हुए सुश्रुतोक्त संधि मर्मों का विस्तार से वर्णन करें। 15

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2009/01

Kriya Sharir-A

[**Old Scheme** -w.e.f. admission prior to 2007]

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. उदान वायु के विशिष्ट कर्म लिखें । 15

2. रक्तचाप (Blood Pressure) की परिभाषा, प्रकार लिखते हुए रक्तचाप नियंत्रण लिखिए। 15

3. षट्क्रियाकाल का विस्तृत वर्णन कीजिए। 15

4. अवस्थापाक क्रिया का सम्पूर्ण वर्णन कीजिए। 15

5. प्रतिहारिणी सिरा से यकृत के संबन्ध का वर्णन करते हुए यकृत के कार्यों का उल्लेख कीजिए। 15

6. निम्न पर टिप्पणी लिखें।
   क) विपाक 5 + 5 + 5 =15
   ख) कफ प्रकृति पुरूष के लक्षण
   ग) व्यान वायु के विशिष्ट कर्म

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2009/01

Kriya Sharir-B

[**Old Scheme** -w.e.f. admission prior to 2007]

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. रसधातु के गुण-कर्म-स्थानादि का वर्णन करते हुएस रससंवहन का वर्णन करें। 15

2. ओज के प्रमाण व भेदों का उल्लेख करते हुए व्याधिक्षमत्व का वर्णन करें। 15

3. रक्तवर्ग ज्ञान का विवेचन करते हुए चिकित्सा में इसकी महत्ता का वर्णन करें। 15

4. स्वप्न की उत्पत्ति तथा इसके भेदों का विशद वर्णन करें। 15

5. अधिवृक्क ग्रंथी के अन्तःस्त्रावों की क्षय-वृद्धि का शरीर पर प्रभाव का वर्णन करें। 15

6. स्वतंत्र तंत्रिका संस्थान की क्रिया का विस्तार से वर्णन करें। 15

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2009/01

Ashtang Sangrah

[**Old Scheme** -w.e.f. admission prior to 2007]

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. अष्टाङ्ग. संग्रह की रचना का प्रयोजन एवं वैशिष्ट्य लिखकर अष्टाङ्ग. संग्रह तथा अष्टाङ्ग. हृदय में अन्तर स्पष्ट करो । 15

2. विधिपूर्वक सेवित अन्नपान का फल लिखकर सप्ताहार की कल्पना स्पष्ट करें। चरकोक्त अष्टआहार विधि विशेषायतन से इसका सामञ्जस्य किस प्रकार होगा । 15

3. दोष-धातु-मल के प्राकृत कर्म लिखें । 15

4. लघंन-बृहंण की परिभाषा लिखकर लंघन का भेद सोदाहरण समझाइए। 15

5. वस्ति से लाभ लिखकर वस्तिकर्म, वस्तिकाल एवं वस्तियोग के विषय में लिखें । 15

6. टिप्पणी लिखें । 15

   क) जलौका

   ख) क्षारकर्म

   ग) यन्त्र

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2009/01

Padarth Vigyan-A

[**Old Scheme** -w.e.f. admission prior to 2007]

M.M. : 90 Time : 3 Hours

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. दर्शन शब्द का अर्थ, परिभाषा, दर्शनों की संख्या का वर्णन कर चिकित्सा दृष्टि से वर्णन करें। 15

2. काल शब्द की उत्पत्ति, परिभाषा एवं लक्षण लिखकर, आयुर्वेद में काल महत्व पर प्रकाश डालें। 15

3. मन का निरूपण, लक्षण, गुण विषय एवं कर्म तथा मन का स्थान वर्णन करें। 15

4. न्याय शास्त्र के अनुसार चौबीस गुणों का वर्णन करें। 15

5. समवाय का लक्षण लिखकर आयुर्वेदीय दृष्टि से समवाय का विशेष वर्णन करें। 15

6. आयुर्वेदिक दृष्टि से सामान्य का व्यवहारिक पक्ष प्रस्तुत करें तथा लक्षण एवं भेद का भी वर्णन करें। 15

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2009/01

Padarth Vigyan - B

[**Old Scheme** -w.e.f. admission prior to 2007]

M.M. : 90 Time : 3 Hours

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. त्रिविध प्रमाणों में अष्टविध प्रमाणों का समावेश लिखते हुए आयुर्वेद सम्मत प्रमाण के पर्याय प्रकार आदि का संक्षिप्त वर्णन करें। 15

2. हेत्वाभास क्या है? इसके लक्षण लिखकर हेत्वाभास के प्रमुख भेदों का वर्णन करें। 15

3. युक्ति प्रमाण का लक्षण लिखकर उसको उदाहरण सहित समझाइये। युक्ति प्रमाण के समर्थन में युक्ति दीजिए। 15

4. इन्द्रिय पञ्च पंचक का वर्णन करते हुए पंच कर्मेन्द्रिय का भी संक्षिप्त निरूपण लिखें। 15

5. पीलूपाक व पिठर पाक का क्या अर्थ है? उदाहरण सहित वर्णन करें। 15

6. तंत्र दोष क्या है? उनके भेदों का विवेचन करें। 15